मूल हिंदी में

भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2155
06.08.2026 को उत्तर के लिए

राष्ट्रीय मानव-वन्यजीव संघर्ष पोर्टल

2155 **श्रीमती फूलो देवी नेतमः**

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या हाल ही में प्रारंभ किया गया राष्ट्रीय मानव-वन्यजीव संघर्ष पोर्टल छत्तीसगढ़ के हाथी-प्रभावित जिलों, जैसे सरगुजा, रायगढ़ एवं महासमुंद, में सक्रिय है;

(ख) छत्तीसगढ़ में हाथियों के झुंडों की वास्तविक समय स्थिति का पता लगाने तथा स्थानीय ग्रामीणों को पूर्व चेतावनी भेजने के लिए उक्त पोर्टल के माध्यम से कौन-कौन सी तकनीकी व्यवस्था की गई है; और

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान छत्तीसगढ़ में मानव-हाथी संघर्ष के कारण हुई जान-माल और फसलों को हुए नुकसान का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) एवं (ख) राष्ट्रीय मानव-वन्यजीव संघर्ष पोर्टल को मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं के आंकड़ों के राष्ट्रीय संग्रहण के रूप में विकसित किया गया है और इसमें मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं का स्थान; शामिल प्रजातियाँ; मानव जीवन, फसलों और संपत्ति को हुई क्षति; वन्यजीवों की चोट/मृत्यु, प्राप्त मुआवजे के दावे और छत्तीसगढ़ राज्य सहित संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों द्वारा वितरित अनुग्रह राशि/मुआवजा रिकॉर्ड किया जाता है, जिसका उद्देश्य ऐसी घटनाओं का नियोजन, विश्लेषण करना और उचित कार्रवाई है।

हाथियों की गतिविधियों की जमीनी स्तर पर निगरानी और स्थानीय समुदायों को अलर्ट जारी करने का कार्य संबंधित राज्य वन विभाग द्वारा स्थानीय स्तर पर अपनाई गई प्रक्रियाओं के माध्यम से किया जाता है।

(ग) वन्यजीव प्रबंधन, जिसमें मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करना भी शामिल है, मुख्य रूप से संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों की जिम्मेदारी है। भारत सरकार ने मानव-हाथी संघर्ष शमन के लिए दिशानिर्देश सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व दृष्टिकोण अपनाना (2023) जारी किए हैं: और यह केंद्र प्रायोजित योजनाओं वन्यजीव आवास विकास और बाघ एवं हाथी परियोजना के तहत राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्र को मानव-वन्यजीव संघर्ष शमन उपायों के कार्यान्वयन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है, जिसमें प्रारंभिक चेतावनी और प्रौद्योगिकी आधारित प्रणालियाँ, भौतिक अवरोध, त्वरित प्रतिकार्रवाई तंत्र, पर्यावास सुधार, कॉरिडोर प्रबंधन और वन्यजीव-ट्रेन दुर्घटनाओं को कम करना शामिल है।

छत्तीसगढ़ राज्य में पिछले 3 वर्षों के दौरान हाथियों के कारण हुई मानव मृत्यु का विवरण नीचे दिया गया है:

राज्य	2023-24	2024-25	2025-26
छत्तीसगढ	51	53	58

*****